



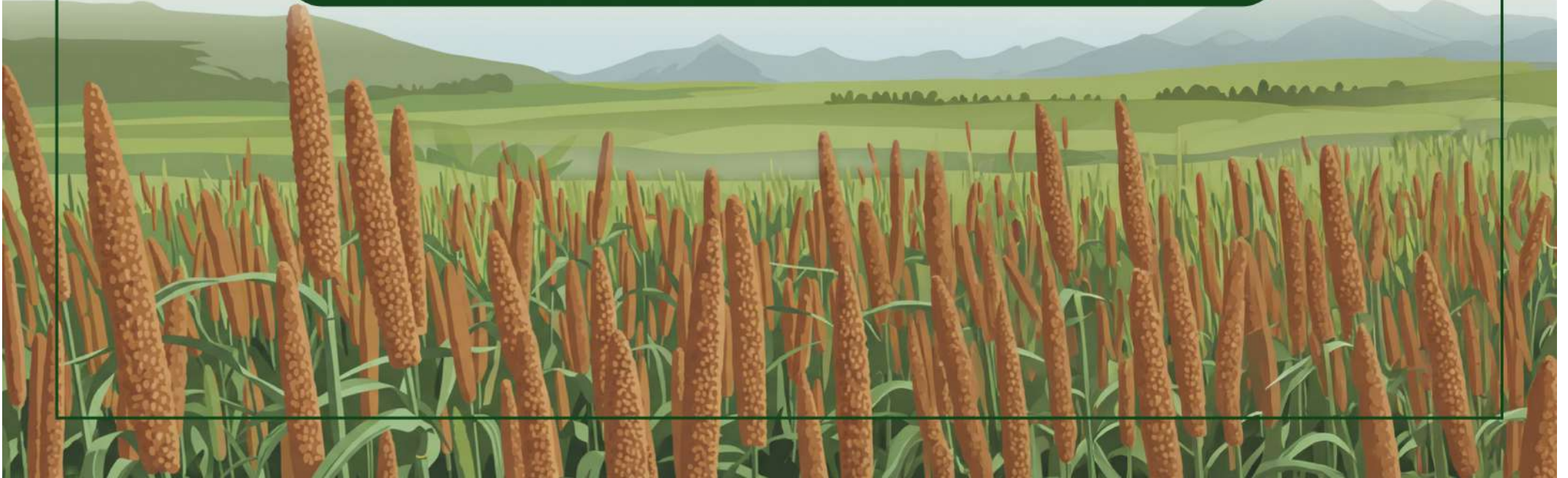
**HARI-HAR**  
SEEDS



# शिव गंगा हाइब्रिड सीड्स प्रा.लि.

राम भवन, सामने सुशीला भवन, बालसमन्द रोड़, हिसार-125001 (हरियाणा) / दूरभाष नं. 70159-27772

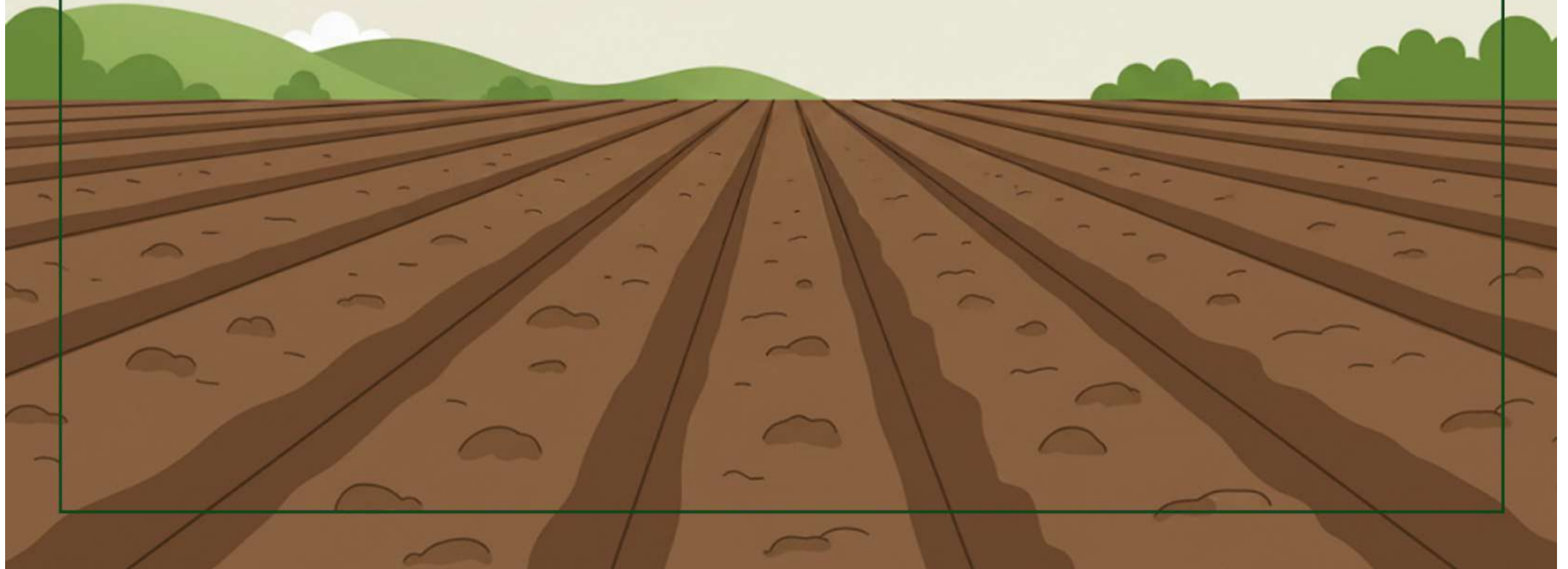
**चार बाजरा फसल उत्पादन की समग्र सिफारिशें**





# भूमि का चुनाव :

बाजरा चारा सभी प्रकार की भूमि में उगाया जा सकता है परन्तु अलुवियल, दोमट तथा रेतीली दोमट भूमियाँ उत्तम हैं। ध्यान रहे चारा बाजरा उत्पादन की भूमि में पानी नहीं खड़ा होना चाहिए।





**HARI-HAR**  
SEEDS

# भूमि की तैयारी :-

खेत को गहरी जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें। तदन्तर 2 जुताई डिस्क हैरो, टिलर या रोटोवेटर से करके भूमि को भुर-भुरा कर लें।





# किस्में :-

चारा बाजरे की उत्तम किस्में HC-10, HC-20, PHBF-1, PCB-164, PCB-16, MULTICUT BAJRA, MULTICUT HYBRID BAJRA, NUTRITION +





# बिजाई का समय :-

चारा बाजरा बिजाई का उत्तम समय मार्च से अगस्त तक होता है परन्तु मार्च से मई तक की समय बिजाई मुख्य मानी जाती है।





# बीज की मात्रा :-

चारे वाले बाजरा के लिये बीज की मात्रा 6 से 8 किलोग्राम प्रति एकड़ पर्याप्त है।



## बीजोपचार :-

चारा बाजरा/बाजरा/बाजरी के बीज को बिजाई से तुरन्त पहले 3 GM एग्नोजिम 50 WP + थाईरम 3 GM प्रति किलो या एग्नोजिम 50 WP 3 GM + 3 GM केपटान मिला कर लगाने से बीज सड़न SEED ROT तथा उगते हुए बीज नहीं मरते (SEED MORTALITY) ।



# बिजाई का तरीका :-

चारे के लिये बाजरा बुवाई करने के लिये छिड़कन विधि (BROAD CASTING) न अपनाएं। बल्कि पौरा/केरा विधि द्वारा 22 सें.मी. दूरी पर लाइनों में बिजाई करें।



## खाद एवं उर्वरक :-

SOIL HEALTH CARD (मृदा स्वास्थ्य कार्ड) के अनुसार उर्वरक की मात्रा दें और अनावश्यक खर्च से बचें तथा भूमि में रसायनों की अधिक मात्रा न दें यदि मृदा स्वास्थ्य कार्ड नहीं है तो खेत तैयारी के समय अच्छी सड़ी गोबर की 10 टन खाद प्रयोग करें। इसके अलावा 20 KG नाइट्रोजन के लिये 44 किलो यूरिया दो बार 22 KG बुवाई के समय तथा 22 किलो 3 सप्ताह बाद जब फसल 15 सें.मी. ऊँची हो देनी चाहिए।



# सिंचाई :-

बाजरे की चारा फसल के लिये 2-3 सिंचाई पर्याप्त है। वर्षाकाल में मानसून के आधार पर पानी दें। ध्यान रहे खेत में पानी खड़ा न हो।





# कटाई का समय :

बाजरा चारा की कटाई बाल आने से पूर्व या फ्लेग लीफ (FLAG LEAF) आने से पूर्व 40-45 दिन में काटना चाहिए और हर हालत में 50% बाल आने के पहले अवश्य कर लें।



## चेतावनी :-

उपरोक्त सिफारिशें स्थानीय परिस्थितियों, अपने अनुसंधान फार्म, स्थानीय कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि ज्ञान केन्द्रों, कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा उन्नतीशील कृषकों, कृषि विदों के अनुभव पर आधारित है। विभिन्न जलवायु परिवर्तन पर आप स्थानीय कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि ज्ञान केन्द्रों या कृषि विभाग के अनुभव पर फसल उत्पादन करें।

